

500 स्टीकर चिपका, 5000 लोगों को किया जागरूक



THAPAR INSTITUTE
OF ENGINEERING & TECHNOLOGY
(Deemed to be University)

दैनिक भास्कर

Dated 23-JAN-2026

500 स्टीकर चिपका, 5000 लोगों को किया जागरूक

थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में फर्स्ट रिस्पॉन्डर कार्यक्रम और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण आयोजित
भास्कर न्यूज़ | पटियाला

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के उपलक्ष्य में समाजसेवी संगठन पटियाला फाउंडेशन ने अपने मानव एम्बुलेंस कार्यक्रम के तहत थापर इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सफलतापूर्वक फर्स्ट रिस्पॉन्डर कार्यक्रम और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन किया। दो भागों में विभाजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रतिभागियों को जीवन रक्षक कौशल, बुनियादी आघात देखभाल ज्ञान और सड़क दुर्घटनाओं और चिकित्सा आपात स्थितियों के दौरान प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने का आत्मविश्वास प्रदान किया। पहले भाग में डॉ. जगदीप सिंह (आपातकालीन एवं गहन देखभाल प्रमुख) के नेतृत्व में मणिपाल अस्पताल के विशेषज्ञों द्वारा बुनियादी जीवन रक्षक



पटियाला फाउंडेशन की तरफ से आयोजित सेमिनार में हिस्सा लेते मेहमान।

प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया, जिसने फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स के लिए एक प्रभावी प्रशिक्षण प्रणाली तैयार की और उन्हें गोल्डन आवर का विवेकपूर्ण उपयोग करना सिखाया। मानव एम्बुलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत दूसरे भाग में प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण का संचालन

काका राम वर्मा द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को प्राथमिक चिकित्सा प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया, जिनके बारे में प्रत्येक व्यक्ति को जानकारी होनी चाहिए। इस कार्यक्रम के तहत पटियाला फाउंडेशन ने 435 लोगों को प्रशिक्षित किया है। इस कार्यक्रम

में डीएसपी (ट्रैफिक) पुनीत सिंह चहल और एआरटीओ मनप्रीत कौर उपस्थित थे। पटियाला फाउंडेशन के सीईओ रवी सिंह आहलवालिया ने बताया कि जनवरी महीने के दौरान फाउंडेशन ने त्रिपट्टी लेबर चौक, किला चौक, गुरुद्वारा दुख निवारण साहिब साइकिल स्टैंड और पोलो ग्राउंड, पटियाला सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर रिस्पेक्टर शिविरो का आयोजन किया। इन शिविरो में नागरिकों, विशेषकर बच्चों और युवाओं को संवादात्मक गतिविधियों के माध्यम से सुरक्षित सड़क नियमों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। 500 से अधिक सुरक्षा स्टीकर साइकिलों पर चिपकाए गए और ऑनलाइन जागरूकता अभियानों के माध्यम से लगभग 5,000 लोगों को जागरूक किया गया।